

<p>तारीख हुक्म</p>	<p>हुक्म या कार्यवाही मय इनिशियल जज</p> <p>डी.आर. मेघवाल बनाम लो.सू.अ. (अपर जिला कलक्टर प्रथम जोधपुर)</p> <p>सू.अ.अ. अपील संख्या 117/2022</p>	<p>नं० व तारीख अहकाम जो इस हुक्म की तामील में जारी हुए</p>
<p>08-06-2022</p>	<p>अपीलार्थी डी.आर. मेघवाल पुत्र प्रेमराम, पता गांव सरेचा बस स्टेण्ड के पास, तहसील लूणी जिला जोधपुर ने सूचना का अधिकार के तहत प्रार्थना-पत्र दिनांक 28.02.2022 में संलग्न प्रार्थना पत्र के अनुसार (1) दिनांक 02.02.22 को जिला कलक्टर जोधपुर को प्रार्थना पत्र बाबत ग्राम सरेंचाके कार्यालय पंचायत भवन/नरेगा भवन व खसरा नं० 185 व 186 की भूमि क्षेत्र को अत्याचारग्रस्त क्षेत्र घोषित करने व शांति, सदाचार एवं लोक व्यवस्था बनाये रखने के सम्बंध में की गई कार्यवाही की सम्पूर्ण पत्रावली, से संबंधित सूचना के लिए लोक सूचना अधिकारी (जिला कलक्टर जोधपुर कार्यालय) को प्रेषित किया गया तथा उक्त लोक सूचना अधिकारी द्वारा सूचना नहीं दी गई, जिससे व्यथित होकर यह अपील पेश हुई।</p> <p>अपील दर्ज रजिस्टर कर रेस्पों.पक्ष (अपर जिला कलक्टर प्रथम जोधपुर) से तथ्यात्मक रिपोर्ट मांगी गई।</p> <p>हमने पत्रावली का अवलोकन किया। रेस्पों.पक्ष (अपर जिला कलक्टर प्रथम जोधपुर) से जरिये पत्रांक 672 दिनांक 23.05.2022 रिपोर्ट प्राप्त हुई जिसमें बतलाया कि प्रार्थी के आवेदन पत्र में वर्णित सूचना प्रभारी अधिकारी, न्यायिक शाखा, कार्यालय हाजा से संबंधित होने से आवेदन पत्र की छाया प्रति धारा 5(4) के तहत कार्यालय पत्रांक 303 दिनांक 15.03.22 द्वारा प्रेषित कर सात दिवस में इस कार्यालय को भिजवाने हेतु लिखा गया, परन्तु अभिलेख अनुभाग से अभी तक अपेक्षित होने से प्रार्थी को सूचना उपलब्ध कराया जाना संभव नहीं है। रिपोर्ट में यह भी प्रार्थना की गई कि प्रभारी अधिकारी, न्यायिक शाखा, कार्यालय हाजा द्वारा सूचना उपलब्ध नहीं कराये जाने से इन्हें सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 की धारा 5(5) क अन्तर्गत लोक सूचना अधिकारी मानते हुए प्रार्थी को सूचना उपलब्ध कराने हेतु निर्देशित किया जावे।</p> <p>अतः अपील स्वीकार की जाती है तथा लोक सूचना अधिकारी (प्रभारी अधिकारी, न्यायिक शाखा कलक्टर कार्यालय जोधपुर) को निर्देशित किया जाता है अपीलार्थी द्वारा चाही गई सूचना 15 दिवस में उपलब्ध करावे, अन्यथा नहीं दिये जाने के कारणों से प्रार्थी को अवगत कराया जाय। आदेश की प्रति सूचना को सूचनार्थ एवं पालनार्थ प्रेषित हो। आदेश सुनाया गया।</p>	